प्रदेशभर में फार्मर आईडी बनाने का अभियान शुरू

किसानों को फार्मर आईडी बनवाने सरकारी दल पहुंचकर करेंगे सहायता : डॉ यादव

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के किसानों से अपनी फार्मर आईडी अनिवार्य रूप से बनवाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि 20 अगस्त से प्रदेशभर में फार्मर आईडी बनाने का अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान के तहत किसानों को सुविधा देने के लिए सरकारी दल गांव-गांव जाकर उनकी आईडी तैयार करेंगे, जिससे उन्हें कार्यालयों के चक्कर लगाने और लंबी कतारों में खड़े होने से राहत मिलेगी।

मुख्यमंत्री शनिवार को नई दिल्ली से शिवपुरी जिले की कृषि उपज मंडी, पिपरसमा में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों की समस्याओं को दूर करने के लिए लगातार कदम उठा रही है। किसानों को खाद के लिए परेशान न होना पड़े, इसके लिए शून्य प्रतिशत ब्याज पर अग्रिम खाद उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है।

डॉ. यादव ने किसानों से पारंपरिक खेती के साथ बागवानी, डेयरी फार्मिंग, मत्स्य पालन और पशुपालन जैसे आय बढ़ाने वाले क्षेत्रों को अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि शिवपुरी के किसान अपनी मेहनत से देशभर में पहचान बना रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि ई-विकास 2.0 प्रणाली को किसान हितैषी बनाया गया है, जिससे किसान अपनी जरूरत के अनुसार उर्वरक खरीद सकेंगे। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में चना और गन्ना उत्पादक किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाएगी, जिससे सिंचाई में सुविधा होगी।

समृद्ध मप्र के लिए केंद्रीय संस्थानों की भूमिका पर राज्य स्तरीय कॉन्क्लेव 24 अगस्त को

समृद्ध मध्यप्रदेश-2047 के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय संस्थानों की भागीदारी और सहयोग पर राज्य स्तरीय कॉन्क्लेव का आयोजन 24 अगस्त को भोपाल में किया जाएगा। अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान द्वारा आयोजित इस एक दिवसीय कॉन्क्लेव का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। कार्यक्रम का आयोजन कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में होगा। कॉन्क्लेव की थीम 'एक संस्थान-एक संकल्प' रखी गई है। इसमें प्रदेश में स्थित प्रमुख केंद्रीय संस्थान, विश्वविद्यालय, शोध संस्थान और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ शामिल होंगे। कार्यक्रम में मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल समृद्ध मध्यप्रदेश-2047 पर मुख्य वक्तव्य देंगे। वहीं सुशासन संस्थान के उपाध्यक्ष प्रो. राजीव दीक्षित और मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. संतोष कुमार विश्वकर्मा भी अपने विचार रखेंगे। कॉन्क्लेव में आर्थिक विकास, सामाजिक सशक्तीकरण, कृषि, स्वास्थ्य, तकनीकी शिक्षा, ऊर्जा, पर्यावरण, कौशल विकास और नवाचार जैसे विषयों पर चर्चा होगी। इसका उद्देश्य केंद्रीय संस्थानों की शोध क्षमता, तकनीकी विशेषज्ञता और मानव संसाधन को प्रदेश की विकास प्राथमिकताओं से जोड़ना है। कार्यक्रम में 130 से अधिक संस्थानों की सहभागिता संभावित है। इसमें आईआईटी इंदौर, आईआईएम इंदौर, एम्स भोपाल, आईआईएसईआर भोपाल, राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों और अन्य प्रमुख संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। कॉन्क्लेव के दौरान राज्य सरकार और केंद्रीय संस्थानों के बीच दीर्घकालिक सहयोग बढ़ाने के लिए समझौता ज्ञापन भी किए जाएंगे। इससे शिक्षा, अनुसंधान और उद्योग के क्षेत्र में नए अवसर विकसित होने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केन्द्रीय मंत्री श्री नड्डा से भेंट की

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा से उनके निवास स्थान पर भेंट की। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री नड्डा के स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

विभागों के अग्रिम खर्च पर रोक

नप्र, भोपाल : राज्य सरकार ने केंद्रीय क्षेत्रीय और केंद्र प्रवर्तित योजनाओं में बजटीय अनुशासन बनाए रखने के लिए विभागों के अग्रिम खर्च पर रोक लगा दी है। वित्त विभाग ने निर्देश दिए हैं कि केंद्र सरकार के हिस्से की राशि मिलने की प्रत्याशा में राज्य बजट से पहले खर्च नहीं किया जाए। विभागों को कहा गया है कि केंद्रांश प्राप्त होने के बाद ही राज्य के हिस्से की राशि का आहरण किया जाए।

मुख्यमंत्री के सम्मान समारोह की मंत्रालय में तैयारी

नप्र, भोपाल : प्रदेश के लाखों अधिकारी-कर्मचारियों की पदोन्नति का निर्णय लिए जाने के बाद मध्यप्रदेश मंत्रालय में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सम्मान समारोह की तैयारियां तेज हो गई हैं। मध्यप्रदेश सचिवालयीन (मंत्रालयीन) शीघ्रलेखक संघ, मंत्रालय अजाक्स शाखा एवं संघ समूह के तत्वावधान में 25 अगस्त को दोपहर एक बजे मंत्रालय भवन की बिल्डिंग क्रमांक 2 एवं 3 के बीच स्थित सेंट्रल विस्टा पार्क में समारोह आयोजित किया जाएगा। समारोह में क्षेत्रीय विधायक भगवानदास सबनानी और कर्मचारी कल्याण समिति के अध्यक्ष रमेश चंद्र शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। मंत्रालय की तीनों इमारतों में समारोह को लेकर व्यक्तिगत जनसंपर्क का एक दौर पूरा हो चुका है।

मुख्यमंत्री ने स्व. एकनाथ रानाडे की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

नप्र, भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विवेकानंद शिला स्मारक के शिल्पकार एवं प्रखर राष्ट्रचिंतक स्व. एकनाथ रानाडे की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी है।

मुख्यमत्री डॉ. यादव ने 'एक्स' पर कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने तथा राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित स्व. रानाडे का जीवन सेवा, संगठन और संकल्प का एक प्रेरक उदाहरण है।

मुख्यमंत्री ने प्रसिद्ध व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई की जयंती पर किया नमन

नप्र, भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश के गौरव, हिंदी साहित्य के प्रसिद्ध लेखक एवं व्यंग्यकार स्व. हरिशंकर परसाई की जयंती पर उन्हें नमन किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'एक्स' पर कहा कि 'भोलाराम का जीव', 'सदाचार का ताबीज' और 'ठिठुरता हुआ गणतंत्र' जैसी कालजयी रचनाओं के माध्यम से स्व. परसाई ने समाज की विसंगतियों, रूढ़ियों और पाखंड पर तीखा प्रहार किया। उनकी निर्भीक लेखनी आज भी समाज को सजग दृष्टि, आत्ममंथन और सत्य के पक्ष में खड़े होने की प्रेरणा देती है। उल्लेखनीय है कि स्व. हरिशंकर परसाई का जन्म 22 अगस्त 1924 को नर्मदापुरम (मध्यप्रदेश) जिले में हुआ था।

हिंदी भवन में आज पावस व्याख्यानमाला

नप्र, भोपाल : मध्यप्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति का प्रतिष्ठित आयोजन 'पावस व्याख्यानमाला' रविवार, 23 अगस्त को सुबह 10 बजे से हिंदी भवन में आयोजित होगा। कार्यक्रम के पहले चरण में समिति के नए पुस्तकालय का लोकार्पण और पुस्तकों का विमोचन किया जाएगा। इसके बाद विभिन्न विषयों पर व्याख्यान होंगे।

समिति के मंत्री संचालक डॉ. विकास दवे ने बताया कि व्याख्यानमाला का शुभारंभ सुबह 10:30 बजे होगा। सत्र की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्रसिंह तोमर करेंगे। इसके बाद दिल्ली के प्रो. पवन विजय व्याख्यान देंगे। दोपहर 12:30 बजे 'सामाजिक समरसता की प्रासंगिकता' विषय पर व्याख्यान होगा। इसकी अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार एवं साहित्य अकादमी के पूर्व निदेशक डॉ. देवेंद्र दीपक करेंगे। विषय पर पटना के डॉ. गुरुप्रकाश पासवान व्याख्यान देंगे।

इस अवसर पर समिति के पूर्व मंत्री संचालक स्व. कैलाशचंद्र पंत को समर्पित 'अक्षरा' के नए अंक और सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति डीएम धर्माधिकारी की पुस्तक 'न्याय का अनकहा सफर' का लोकार्पण भी होगा।

मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास से मिलती है सफलता : सिंह

विद्यार्थियों के चेहरों में देश का उज्ज्वल भविष्य दिखाई देता

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः

भोपाल। स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास ही सफलता की सबसे बड़ी कुंजी हैं। वे नरसिंहपुर जिले के सांईखेड़ा सांदीपनि शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय विज्ञान, गणित, पर्यावरण एवं सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। विज्ञान मॉडल में नर्मदापुरम संभाग की अदिति लौवंशी, गणित में जबलपुर संभाग की अंबिका साहू और इतिहास विषय में ग्वालियर की सायनी जाटव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

इसके अलावा पर्यावरण विषय में सागर की दिव्या पटेल, भूगोल में उज्जैन के अर्शल्म मंसूरी और राजनीति विज्ञान में ग्वालियर की सहजवीर कौर ने पहला स्थान हासिल किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों और शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। मंत्री सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों के चेहरों में देश का उज्ज्वल भविष्य दिखाई देता है। उन्होंने छात्रों से शिक्षा के साथ देश सेवा, आत्मनिर्भरता और रोजगार सृजन की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने शिक्षकों से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच और रचनात्मकता विकसित करने का आग्रह किया। मंत्री ने विज्ञान एवं इतिहास के मॉडलों का अवलोकन कर विद्यार्थियों से संवाद किया और उनके प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि राज्य स्तरीय प्रदर्शनी विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का बेहतर मंच उपलब्ध कराती है।

भूमिहीनों को जमीन देने में मध्यप्रदेश दूसरे स्थान पर

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण में 95.84 प्रतिशत परिवारों को मिला भूखंड

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत भूमिहीन परिवारों को घर बनाने के लिए जमीन उपलब्ध कराने के मामले में मध्यप्रदेश देश में दूसरे स्थान पर है। प्रदेश में चिह्नित 38,490 भूमिहीन परिवारों में से 36,890 परिवारों को जमीन उपलब्ध कराई जा चुकी है। यह कुल लक्ष्य का 95.84 प्रतिशत है।

ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा लोकसभा में दी गई जानकारी के अनुसार प्रदेश में 1,600 परिवारों को अभी जमीन उपलब्ध कराई जाना बाकी है। प्रतिशत के आधार पर छत्तीसगढ़ 99.81 प्रतिशत के साथ पहले स्थान पर है।

भूमिहीन परिवारों को जमीन उपलब्ध कराने की कुल संख्या के मामले में मध्यप्रदेश देश में चौथे स्थान पर है। महाराष्ट्र में 1,21,202, राजस्थान में 63,925 और असम में 41,202 भूमिहीन परिवारों को जमीन उपलब्ध कराई गई है।

मध्यप्रदेश में कुल चिह्नित परिवारों के मुकाबले 95.84 प्रतिशत को जमीन मिलने के बाद 4.16 प्रतिशत परिवार अभी भूखंड मिलने का इंतजार कर रहे हैं।

नगर निगम में सीनियर जूनियर अधिकारी भिड़े

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः लिंक रोड नंबर-2 स्थित नगर निगम मुख्यालय परिसर में शनिवार को वरिष्ठ और कनिष्ठ अधिकारियों के बीच विवाद हो गया। नरेला विधानसभा के स्वास्थ्य अधिकारी सुमंदर शर्मा और जोन-19 के सहायक स्वास्थ्य अधिकारी बलवीर मलिक के बीच काम को लेकर तीखी नोकझोंक हुई।

विवाद बढ़ने पर सहायक स्वास्थ्य अधिकारी बलवीर मलिक ने जूता निकालने की कोशिश की, लेकिन दूसरे सहायक स्वास्थ्य अधिकारी ने उन्हें रोक दिया। इसके बाद मलिक सरकारी जीप के पास पहुंचे और उसमें रखा अपना इस्तीफा दिखाते हुए कहा कि वह इस्तीफा हमेशा साथ रखते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह मंत्री की भी नहीं सुनते।

बताया गया कि अपर आयुक्त अंजू कुमार ने शनिवार को नगर निगम के दरोगाओं की बैठक ली थी। बैठक के बाद दोनों अधिकारियों के बीच बहस शुरू हुई। दोनों अधिकारी एक ही जोन में पदस्थ हैं।

नवाचार और विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षा से मप्र के दो शिक्षकों ने बनाई राष्ट्रीय पहचान

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः नवाचार, जनभागीदारी और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए किए गए उल्लेखनीय प्रयासों के चलते मध्यप्रदेश के दो शिक्षकों का चयन राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान-2026 के लिए हुआ है। भोपाल जिले की शासकीय सांदीपनी महात्मा गांधी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, भेल की विज्ञान शिक्षिका डॉ. अर्चना शुक्ला और सीधी जिले के शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय कंजवार के माध्यमिक शिक्षक एवं प्रभारी प्रधानाध्यापक शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने प्रदेश का गौरव बढ़ाया है।

दोनों शिक्षकों ने सीमित संसाधनों में अपनी रचनात्मक सोच, समर्पण और नए प्रयोगों के माध्यम से शासकीय विद्यालयों में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य किया है। उनके प्रयासों से विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता बढ़ी और शिक्षा के प्रति रुचि में भी वृद्धि हुई।

राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान की चयन प्रक्रिया कई चरणों में पूरी की जाती है। डॉ. अर्चना शुक्ला मध्यप्रदेश से राज्य स्तर पर चयनित छह शिक्षकों में शामिल रहीं। वे राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाली एकमात्र महिला शिक्षिका बनी हैं।

वहीं, शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने ग्रामीण क्षेत्र के सीमित संसाधनों वाले विद्यालय को जनभागीदारी और नवाचार के माध्यम से बेहतर शैक्षणिक वातावरण वाले संस्थान में बदलने का प्रयास किया। उनके नेतृत्व में विद्यालय में विद्यार्थियों के विकास के लिए कई सकारात्मक पहल की गईं। दोनों शिक्षकों की उपलब्धि से स्कूल शिक्षा विभाग में उत्साह है।

बारिश के साथ मौसमी बीमारियों ने पकड़ी रफ्तार

बुखार-खांसी और स्वाइन फ्लू जैसे लक्षण वाले मरीज बढ़े, त्वचा संक्रमण में 20 प्रतिशत तक इजाफा

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः अगस्त में लगातार बारिश और जलभराव के कारण राजधानी में मौसमी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। जेपी अस्पताल, हमीदिया अस्पताल और एम्स भोपाल की मेडिसिन ओपीडी में मरीजों की संख्या बढ़ी है। इनमें खांसी, जुकाम, बुखार और स्वाइन फ्लू जैसे लक्षण वाले मरीज भी पहुंच रहे हैं। संभावित संक्रमण को देखते हुए हमीदिया अस्पताल में वायरस की जांच के लिए किट मंगाई गई है, जबकि एम्स भोपाल में जांच किट पहले से उपलब्ध है।

जिला स्वास्थ्य विभाग के अनुसार अगस्त में भोपाल में स्वाइन फ्लू के छह मामले सामने आए हैं और सभी मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। बारिश के कारण त्वचा संक्रमण के मरीजों में भी 20 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है। डेंगू के मामले पिछले वर्षों की तुलना में कम हैं। अगस्त में अब तक डेंगू के नौ मामले दर्ज हुए हैं। सितंबर से नवंबर के बीच खतरा बढ़ने की आशंका को देखते हुए निगरानी और मच्छरों की ब्रीडिंग रोकने के अभियान तेज किए गए हैं।

हमीदिया अस्पताल के वरिष्ठ श्वांस रोग विशेषज्ञ डॉ. निशांत श्रीवास्तव के अनुसार वर्तमान में स्वाइन फ्लू का प्रमुख स्ट्रेन इन्फ्लुएंजा एच1एन1 है। इसके साथ एच3एन2 का संक्रमण भी बना हुआ है। ओपीडी में ऐसे मरीजों की संख्या बढ़ी है। कई मरीजों में बुखार उतरने के बाद भी ठंड लगने और पूरे दिन शरीर में दर्द की शिकायत सामने आ रही है। तीन से पांच दिन में आराम नहीं मिलने पर अस्पताल जाने की सलाह दी गई है।

मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. योगेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि बारिश के दौरान दूषित पानी से डायरिया, टाइफाइड और हेपेटाइटिस ए व ई जैसे संक्रमण भी बढ़ रहे हैं। उन्होंने बुखार को सामान्य वायरल मानकर नजरअंदाज न करने और लक्षणों के आधार पर जांच कराने की बात कही।

सड़क सुरक्षा को लेकर पुलिस कर्मियों को मिला प्रशिक्षण, दुर्घटना रोकथाम पर जोर

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और सुरक्षित वाहन संचालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पुलिस परिवहन शोध संस्थान (पीटीआरआई), भोपाल में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। 20 और 21 अगस्त को आयोजित इस प्रशिक्षण में निरीक्षक से आरक्षक चालक स्तर के पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना, सुरक्षित वाहन चलाने के प्रति जागरूकता बढ़ाना और दुर्घटना पीड़ितों को समय पर शासकीय सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया से पुलिस कर्मियों को अवगत कराना था। कार्यक्रम में उप पुलिस महानिरीक्षक पीटीआरआई टी.के. विद्यार्थी ने दुर्घटनाओं के कारणों की पहचान, उनके विश्लेषण और रोकथाम के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने हिट एंड रन, पीड़ित सहायता योजनाओं और कैशलेस उपचार जैसी सुविधाओं के संबंध में पुलिस की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। प्रशिक्षण के दौरान वाहन रखरखाव, वाहन चलाते समय बरती जाने वाली सावधानियां, संकेतों की जानकारी और सुरक्षित वाहन संचालन के तकनीकी पहलुओं पर विशेषज्ञों ने प्रशिक्षण दिया।

अधिकारियों ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल वाहन चालकों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि सभी सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना जरूरी है।

कार्यक्रम *सावन महोत्सव में लोक संस्कृति संरक्षण पर जोर...*

बघेली-बुंदेली लोकगीतों और पारंपरिक नृत्यों ने बांधा समां

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः विंध्य एकता परिषद्, मध्यप्रदेश, भोपाल के तत्वावधान में सावन की ऋतु, लोक संस्कृति और पारंपरिक विरासत को समर्पित सावन महोत्सव-2026 का आयोजन शनिवार को दुष्यन्त कुमार पांडुलिपि संग्रहालय सभागार, शिवाजी नगर में किया गया। कार्यक्रम में बघेली-बुंदेली लोकगीतों, कजरी, हिंडुली और झूलागीतों के सामूहिक गायन के साथ समूह नृत्यों की प्रस्तुतियां दी गईं।

महिला समूहों ने पारंपरिक लोकगीतों और लोकनृत्यों की प्रस्तुतियां देकर सावन की लोक परंपराओं को जीवंत किया। लोकगीतों की मधुर गूंज और पारंपरिक नृत्यों से सभागार सांस्कृतिक रंग में सराबोर नजर आया।

विधायक भगवानदास सबनानी ने कहा कि सावन महोत्सव जैसे आयोजन लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बघेली-बुंदेली लोकगीत और लोकनृत्य हमारी मिट्टी की पहचान हैं, जिन्हें नई पीढ़ी तक पहुंचाना सभी का दायित्व है। उन्होंने सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करने वाले ऐसे आयोजनों को निरंतर जारी रखने की आवश्यकता बताई।

विंध्य एकता परिषद् की प्रदेश अध्यक्ष वंदना द्विवेदी ने कहा कि बघेली और बुंदेली हमारी समृद्ध लोक सांस्कृतिक विरासत के महत्वपूर्ण अंग हैं। लोक संस्कृति हमारी पहचान, इतिहास और सामाजिक परंपराओं की जीवंत धरोहर है। इसे संरक्षित कर अगली पीढ़ी तक पहुंचाना सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में भोपाल में निवासरत बिंद समाज के परिवारों सहित बड़ी संख्या में नागरिकों ने सहभागिता की। आयोजन के दौरान लोक संस्कृति, सामाजिक एकता और पारंपरिक विरासत के संरक्षण का संदेश दिया गया।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1,भोपाल-462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक: डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक: अपूर्व तिवारी। *
फोन-0755-2550900-01, e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, www.naiduniaonline.com